



# नेपाल राष्ट्र बैंक

## बैंक तथा वित्तीय संस्था नियमन विभाग

केन्द्रीय कार्यालय

बालुवाटार, काठमाडौं

फोन नं. : ०१-५७९६४९/४२/४३/४४

Website : www.nrb.org.np

पोष्ट बक्स : ७३

पत्र संख्या: वै.वि.नि.वि./नीति/परिपत्र/१९/०८२/८३

मिति : २०८३/०३/३१

इजाजतपत्रप्राप्त “क”, “ख” र “ग” वर्गका बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरु,

महाशय,

यस बैंकबाट इजाजतपत्रप्राप्त “क”, “ख” र “ग” वर्गका बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरुलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन, २०८२ मा संलग्न तालिकाबमोजिम संशोधन/परिमार्जन/थप गरिएको हुँदा सोहीबमोजिम गर्नु गराउनु हुन नेपाल राष्ट्र बैंक ऐन, २०५८ को दफा ७९ ले दिएको अधिकार प्रयोग गरी यो निर्देशन जारी गरिएको छ ।

भवदीय,

  
(रामु पौडेल)  
कार्यकारी निर्देशक

### बोधार्थ :

- (१) श्री नेपाल राष्ट्र बैंक, गभर्नरको कार्यालय ।
- (२) श्री नेपाल सरकार, अर्थ मन्त्रालय, वित्तीय क्षेत्र व्यवस्थापन तथा संस्थान समन्वय महाशाखा, सिंहदरबार ।
- (३) श्री नेपाल राष्ट्र बैंक, बैंक सुपरिवेक्षण विभाग ।
- (४) श्री नेपाल राष्ट्र बैंक, वित्तीय संस्था सुपरिवेक्षण विभाग ।
- (५) श्री नेपाल राष्ट्र बैंक, गैर-बैंक वित्तीय संस्था सुपरिवेक्षण विभाग ।
- (६) श्री नेपाल राष्ट्र बैंक, विदेशी विनिमय व्यवस्थापन विभाग ।
- (७) श्री नेपाल राष्ट्र बैंक, आर्थिक अनुसन्धान विभाग ।
- (८) श्री नेपाल राष्ट्र बैंक, कानून महाशाखा ।
- (९) श्री नेपाल बैंकर्स संघ, सेन्ट्रल बिजनेस पार्क, थापाथली ।
- (१०) श्री डेभलपमेण्ट बैंकर्स एसोसिएसन, लाजिम्पाट ।
- (११) श्री नेपाल वित्तीय संस्था संघ, डिल्लीबजार ।

यस बैंकबाट इजाजतपत्रप्राप्त “क”, “ख”, “ग” वर्गका बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरुलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन,  
२०८२ मा संशोधन/परिमार्जन/थप सम्बन्धमा ।



| क्र.सं. | व्यवस्था नं.                                                            | विद्यमान व्यवस्था                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                           | संशोधित व्यवस्था                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                          |
|---------|-------------------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| १.      | इ.प्रा. निर्देशन नं २/०८२ को बुँदा नं. १७ को (क) (२) मा संशोधन गरिएको । | <p><b>१७. Margin Lending प्रकृतिको शेयर सुरक्षण राखी प्रवाह हुने कर्जाका सम्बन्धमा</b></p> <p>(क) धितोपत्र विनिमय बजारमा सूचीकृत संस्थाको शेयरको धितोमा बैंक तथा वित्तीय संस्थाबाट प्रवाह हुने मार्जिन प्रकृतिको कर्जाका सम्बन्धमा देहायका शर्त पालना गरेर मात्र सोअनुसारको कर्जा प्रदान गर्न सकिनेछ</p> <p>(२) यसरी प्रवाह हुने कर्जाको हकमा सुरक्षणवापत राखिने शेयरको मूल्याङ्कन गर्दा नेपाल स्टक एक्सचेन्ज लिमिटेडबाट प्रकाशित पछिल्लो १८० कार्य दिनको अन्तिम मूल्यको औसत मूल्य वा शेयरको प्रचलित बजार मूल्यमध्ये जुन कम हुन्छ, सो मूल्यको बढीमा ७० प्रतिशत रकमसम्म मात्र शेयर धितो कर्जा प्रवाह गर्न सकिनेछ । एकपटक प्रवाह गरिसकेको यस्तो कर्जाको सुरक्षणमा रहेको शेयरको पुनरमूल्याङ्कन गरी सोको आधारमा थप कर्जा सीमा कायम गर्न वा थप कर्जा प्रदान गर्न पाइने छैन ।</p> | <p><b>१७. Margin Lending प्रकृतिको शेयर सुरक्षण राखी प्रवाह हुने कर्जाका सम्बन्धमा</b></p> <p>(क) धितोपत्र विनिमय बजारमा सूचीकृत संस्थाको शेयरको धितोमा बैंक तथा वित्तीय संस्थाबाट प्रवाह हुने मार्जिन प्रकृतिको कर्जाका सम्बन्धमा देहायका शर्त पालना गरेर मात्र सोअनुसारको कर्जा प्रदान गर्न सकिनेछ:</p> <p>(२) (अ) यसरी प्रवाह हुने कर्जाको हकमा सुरक्षणवापत राखिने शेयरको मूल्याङ्कन गर्दा नेपाल स्टक एक्सचेन्ज लिमिटेडबाट प्रकाशित पछिल्लो १८० कार्य दिनको अन्तिम मूल्यको औसत मूल्य वा शेयरको प्रचलित बजार मूल्यमध्ये जुन कम हुन्छ, सो मूल्यको बढीमा ७० प्रतिशत रकमसम्म मात्र शेयर धितो कर्जा प्रवाह गर्न सकिनेछ ।</p> <p>(आ) धितोपत्र विनिमय बजारमा सूचीकृत संस्थाको सबलताको आधारमा कर्जा प्रवाहको लागि इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाले Product Paper बनाउँदा कम्तीमा देहायका विषय समावेश गरी संस्थाको सबलता मूल्यांकन गर्ने विधि अवलम्बन गर्नुपर्नेछ । सबलता मूल्यांकनको आधारमा उच्च मूल्यांकन हुने संस्थाको शेयरको कर्जा मूल्य अनुपात खण्ड (अ) मा उल्लिखित अनुपातमा बढीमा १० प्रतिशत</p> |

यस बैंकबाट इजाजतपत्रप्राप्त “क”, “ख”, “ग” वर्गका बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरुलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन,  
२०८२ मा संशोधन/परिमार्जन/थप सम्बन्धमा ।



| क्र.सं. | व्यवस्था नं.                                           | विद्यमान व्यवस्था | संशोधित व्यवस्था                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                        |
|---------|--------------------------------------------------------|-------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
|         |                                                        |                   | <p>विन्दुसम्म थप गर्न सकिने गरी विधि निर्धारण गर्नुपर्नेछ ।</p> <p>(१) चुक्ता पुँजीको आकार,<br/>                     (२) धितोपत्र सूचीकरण भएको न्यूनतम अवधि,<br/>                     (३) नाफा रहेको तथा लाभांश वितरण गरेको अवस्था र समयावधि,<br/>                     (४) क्रेडिट रेटिङ्ग,<br/>                     (५) नियामकीय व्यवस्थाको पालना,<br/>                     (६) नियमित साधारणसभा सम्पन्न भए/नभएको ।</p> <p>(इ) यस्तो Product Paper इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाले आफ्नो वेबसाइटमा राख्नुपर्नेछ ।</p> <p>(ई) एकपटक कर्जा प्रवाह गरिसकेको यस्तो कर्जाको सुरक्षणमा रहेको शेयरको पुनरमूल्याङ्कन गरी सोको आधारमा थप कर्जा सीमा कायम गर्न वा थप कर्जा प्रदान गर्न पाइने छैन ।</p> |
| २.      | इ.प्रा. निर्देशन नं २/०८२ को बुँदा नं. ८ मा (५) थप गरी | हाल नभएको ।       | (५) सार्वजनिक निकायबाट स्रोत सुनिश्चित भई परियोजनाको निर्माण कार्य सम्पन्न भएको वा निर्माण कार्य भइरहेको तर भुक्तानी प्राप्त हुन बाँकी रहेका निर्माण व्यवसायीलाई प्रवाह भएको निर्माण व्यवसायसँग सम्बन्धित कर्जाको हकमा                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                  |

यस बैंकबाट इजाजतपत्रप्राप्त “क”, “ख”, “ग” वर्गका बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरुलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन,  
२०८२ मा संशोधन/परिमार्जन/थप सम्बन्धमा ।



| क्र.सं. | व्यवस्था नं.                                 | विद्यमान व्यवस्था                                                                                                                                                                            | संशोधित व्यवस्था                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            |
|---------|----------------------------------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
|         | क्रमसख्या मिलान गरिएको ।                     |                                                                                                                                                                                              | <p>ऋणीको अनुरोधमा नगदप्रवाह विश्लेषण गरी आवश्यकता र औचित्यको आधारमा बुझाउनुपर्ने व्याजको कम्तीमा १० प्रतिशत रकम असुल उपर गरी देहायका शर्तहरुको अधीनमा रही इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाले कर्जाको पुनरतालिकीकरण र/वा पुनरसंरचना गर्न सक्नेछन् :</p> <p>(१) यस्तो पुनरतालिकीकरण र/वा पुनरसंरचना २०८३ असोज मसान्तभित्र गरिसक्नु पर्नेछ ।</p> <p>(२) उपर्युक्तबमोजिम पुनरतालिकीकरण र/वा पुनरसंरचना गरिएका कर्जाहरुको न्यूनतम ५ प्रतिशत कर्जा नोक्सानी व्यवस्था कायम गर्नुपर्नेछ ।</p> <p>तर, निष्कृत्य वर्गमा वर्गीकृत कर्जाहरुको हकमा साविक बमोजिमको कर्जा वर्गीकरण र सोही बमोजिम कर्जा नोक्सानी व्यवस्था कायम गर्नुपर्नेछ ।</p> <p>(३) सम्बन्धित सार्वजनिक निकायबाट भुक्तानी प्राप्त हुन बाँकी रहेको कागजात लिएको हुनुपर्नेछ ।</p> |
| ३.      | इ.प्रा. निर्देशन नं २/०८२ को बुँदा नं. ३८ मा | <p>३८. चालुपुँजी प्रकृतिका कर्जा सम्बन्धी व्यवस्था:</p> <p>(क) बैंक तथा वित्तीय संस्थाले २०७९ कार्तिक १ गते देखि चालुपुँजी प्रकृतिका कर्जा प्रवाह, नवीकरण वा पुनरावलोकन गर्दा यस बैंकबाट</p> | <p>३८. चालुपुँजी प्रकृतिका कर्जा सम्बन्धी व्यवस्था:</p> <p>(क) बैंक तथा वित्तीय संस्थाले २०७९ कार्तिक १ गते देखि चालुपुँजी प्रकृतिका कर्जा प्रवाह, नवीकरण वा</p>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            |

यस बैंकबाट इजाजतपत्रप्राप्त “क”, “ख”, “ग” वर्गका बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरुलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन,  
२०८२ मा संशोधन/परिमार्जन/थप सम्बन्धमा ।



| क्र.सं. | व्यवस्था नं.                                                | विद्यमान व्यवस्था                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                       | संशोधित व्यवस्था                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    |
|---------|-------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
|         | संशोधन गरिएको ।                                             | जारी 'चालू पुँजी कर्जासम्बन्धी मार्गदर्शन, २०७९' बमोजिम गर्नु पर्नेछ ।<br><br>(ख) 'चालूपुँजी कर्जा सम्बन्धी मार्गदर्शन, २०७९' लागू हुनुपूर्व प्रदान गरिएका चालूपुँजी प्रकृतिका कर्जालाई मार्गदर्शनको पूर्ण पालना गरेर मात्र नवीकरण गर्न पाइने छ ।<br>मार्गदर्शनको पूर्ण पालना नगरी नवीकरण भएको पाइएमा उक्त कर्जामा शतप्रतिशत कर्जा नोक्सानी व्यवस्था कायम गर्नुपर्नेछ ।<br><br>तर, 'चालू पुँजी कर्जासम्बन्धी मार्गदर्शन, २०७९' को बुँदा नं. ७ मा भएको Variance सम्बन्धी व्यवस्था २०८३ साउन १ गतेदेखि मात्र लागू हुनेछ । | पुनरावलोकन गर्दा यस बैंकबाट जारी 'चालू पुँजी कर्जासम्बन्धी मार्गदर्शन, २०७९' बमोजिम गर्नुपर्नेछ ।<br><br>(ख) 'चालूपुँजी कर्जा सम्बन्धी मार्गदर्शन, २०७९' लागू हुनुपूर्व प्रदान गरिएका चालूपुँजी प्रकृतिका कर्जालाई मार्गदर्शनको पूर्ण पालना गरेर मात्र नवीकरण गर्न पाइने छ । मार्गदर्शनको पूर्ण पालना नगरी नवीकरण भएको पाइएमा उक्त कर्जामा शतप्रतिशत कर्जा नोक्सानी व्यवस्था कायम गर्नुपर्नेछ ।<br><br>तर, 'चालू पुँजी कर्जासम्बन्धी मार्गदर्शन, २०७९ ( चौथो संशोधन सहित)' को बुँदा नं. ७ मा भएको Variance सम्बन्धी व्यवस्था २०८४ साउन १ गतेदेखि मात्र लागू हुनेछ । |
| ४.      | इ.प्रा. निर्देशन नं ३/०८२ को बुँदा नं. ११ को उपबुँदा (७) मा | (७) सवारी साधन कर्जासम्बन्धी व्यवस्था :<br>इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाले सवारी साधन खरिद गर्न कर्जा प्रवाह गर्दा देहायबमोजिमको सवारी साधनका लागि सवारी साधनको ऋण मूल्यको                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | (७) सवारी साधन कर्जासम्बन्धी व्यवस्था :<br>(अ) इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाले सवारी साधन खरिद गर्न कर्जा प्रवाह गर्दा देहायबमोजिमको सवारी साधनका लागि सवारी साधनको ऋण मूल्यको अनुपात (Loan to Value                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      |

यस बैंकबाट इजाजतपत्रप्राप्त “क”, “ख”, “ग” वर्गका बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरुलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन,  
२०८२ मा संशोधन/परिमार्जन/थप सम्बन्धमा ।



| क्र.सं. | व्यवस्था नं.                                                         | विद्यमान व्यवस्था                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                             | संशोधित व्यवस्था                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                          |
|---------|----------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
|         | संशोधन गरिएको ।                                                      | <p>अनुपात (Loan to Value Ratio) अधिकतम ६० प्रतिशतसम्म मात्र कायम गर्नुपर्नेछ ।</p> <p>(क) सबै प्रयोजनका विद्युतीय सवारी साधन र</p> <p>(ख) निजी प्रयोजनका व्यक्तिगत अन्य सवारी साधन ।</p> <p>तर, जेनजी आन्दोलनबाट प्रत्यक्ष रुपमा प्रभावित उद्योग तथा व्यावसायिक प्रतिष्ठानमा व्यावसायिक रुपमा प्रयोग भइरहेका सवारी तथा ढुवानीका साधन क्षति भई प्रतिस्थापन गर्न कर्जा प्रदान गर्दा ऋण मूल्य अनुपात (Loan to Value Ratio) ८० प्रतिशतसम्म कायम गर्न सकिनेछ ।</p> | <p>Ratio) अधिकतम ६० प्रतिशतसम्म मात्र कायम गर्नुपर्नेछ ।</p> <p>(क) सबै प्रयोजनका विद्युतीय सवारी साधन र</p> <p>(ख) निजी प्रयोजनका व्यक्तिगत अन्य सवारी साधन ।</p> <p>(आ) खण्ड (अ) मा जुनसुकै कुरा लेखिएको भएतापनि सार्वजनिक यातायातको रुपमा प्रयोग हुने यात्रुबाहक ठूला विद्युतीय सवारी साधनका लागि कर्जा प्रवाह गर्दा तथा जेनजी आन्दोलनबाट प्रत्यक्ष रुपमा प्रभावित उद्योग तथा व्यावसायिक प्रतिष्ठानमा व्यावसायिक रुपमा प्रयोग भइरहेका सवारी तथा ढुवानीका साधन क्षति भई प्रतिस्थापन गर्न कर्जा प्रदान गर्दा ऋण मूल्य अनुपात (Loan to Value Ratio) ८० प्रतिशतसम्म कायम गर्न सकिनेछ ।</p> |
| ५.      | इ.प्रा. निर्देशन नं ४/०८२ को बुँदा नं. ४ को खण्ड (ख) को - अ) को १ मा | (अ) (१) इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाको लेखानीति बमोजिम लेखाङ्कन गरिएको कर्जाको ब्याज आम्दानीमध्ये यस बैंकको निर्देशन बमोजिम प्रोदभावी आधार (Accrual Basis) मा लेखाङ्कन गरिने ब्याज आम्दानीमध्ये प्राप्त हुन बाँकी ब्याज आम्दानी बराबरको रकममा प्रचलित                                                                                                                                                                                                              | (अ) (१) इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाको लेखानीति बमोजिम लेखाङ्कन गरिएको कर्जाको ब्याज आम्दानीमध्ये यस बैंकको निर्देशन बमोजिम प्रोदभावी आधार (Accrual Basis) मा लेखाङ्कन गरिने ब्याज आम्दानीमध्ये आर्थिक वर्ष समाप्त भएको १५ दिनभित्र प्राप्त भएको ब्याज रकम बाहेकका अन्य प्राप्त हुन बाँकी ब्याज आम्दानी बराबरको रकममा प्रचलित                                                                                                                                                                                                                                                                  |

यस बैंकबाट इजाजतपत्रप्राप्त “क”, “ख”, “ग” वर्गका बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरुलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन,  
२०८२ मा संशोधन/परिमार्जन/थप सम्बन्धमा ।



| क्र.सं. | व्यवस्था नं.                                                                          | विद्यमान व्यवस्था                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                          | संशोधित व्यवस्था                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |
|---------|---------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
|         | संशोधन गरिएको ।                                                                       | व्यवस्थाअनुसारको आयकर तथा कर्मचारी बोनस तथा बैधानिक कोष (साधारण जगेडा कोष र संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व कोष) मा जम्मा गरेको रकम कट्टा गरी बाँकी रकमलाई सञ्चित मुनाफा (Retained Earning) लाई खर्च गरी नियमनकारी कोषमा जम्मा गर्नु पर्नेछ । उक्त ब्याज रकम प्राप्त हुन आएमा नियमनकारी कोषबाट सञ्चित मुनाफा (Retained Earning) मा फिर्ता गर्न सकिनेछ ।                                      | व्यवस्थाअनुसारको आयकर तथा कर्मचारी बोनस तथा बैधानिक कोष (साधारण जगेडा कोष र संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व कोष) मा जम्मा गरेको रकम कट्टा गरी बाँकी रकमलाई सञ्चित मुनाफा (Retained Earning) लाई खर्च गरी नियमनकारी कोषमा जम्मा गर्नु पर्नेछ । उक्त ब्याज रकम प्राप्त हुन आएमा नियमनकारी कोषबाट सञ्चित मुनाफा (Retained Earning) मा फिर्ता गर्न सकिनेछ ।                                                                                                                                                           |
| ६.      | इ.प्रा. निर्देशन नं १९/०८२ को बुँदा नं. २ को उपबुँदा १ को खण्ड (घ) मा संशोधन गरिएको । | <p>(१) ग्राहकको पहिचान तथा सोको सम्पुष्टि गर्दा देहायबमोजिम गर्नुपर्ने :</p> <p>(घ) बैंक तथा वित्तीय संस्थाले २०८१ माघ १ गतेदेखि राष्ट्रिय परिचयपत्रको विद्युतीय अभिलेखमा रहेको विवरणको पहुँचका आधारमा राष्ट्रिय परिचयपत्र वा राष्ट्रिय परिचयपत्र नम्बरको विवरण यकीन गरी अनिवार्य रुपमा राष्ट्रिय परिचयपत्र वा राष्ट्रिय परिचयपत्र नम्बरका आधारमा खाता खोल्ने व्यवस्था मिलाउनुपर्नेछ ।</p> | <p>(१) ग्राहकको पहिचान तथा सोको सम्पुष्टि गर्दा देहायबमोजिम गर्नुपर्ने :</p> <p>(घ) इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाले खातावालाको राष्ट्रिय परिचयपत्रको विवरण लिने सम्बन्धमा देहायबमोजिम गर्नुपर्नेछ ।</p> <p>(अ) बैंक तथा वित्तीय संस्थाले २०८१ माघ १ गतेदेखि राष्ट्रिय परिचयपत्रको विद्युतीय अभिलेखमा रहेको विवरणको पहुँचका आधारमा राष्ट्रिय परिचयपत्र वा राष्ट्रिय परिचयपत्र नम्बरको विवरण यकीन गरी अनिवार्य रुपमा राष्ट्रिय परिचयपत्र वा राष्ट्रिय परिचयपत्र नम्बरका आधारमा खाता खोल्ने व्यवस्था मिलाउनुपर्नेछ ।</p> |



यस बैंकबाट इजाजतपत्रप्राप्त “क”, “ख”, “ग” वर्गका बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरुलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन,  
२०८२ मा संशोधन/परिमार्जन/थप सम्बन्धमा ।



| क्र.सं. | व्यवस्था नं. | विद्यमान व्यवस्था                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      | संशोधित व्यवस्था                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                        |
|---------|--------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
|         |              | <p>तर, विदेशमा बसोबास गरिरहेका नेपाली नागरिकले विदेशमै वसी अनलाइन मार्फत् इजाजतपत्रप्राप्त संस्थामा खाता खोल्नु पर्दा राष्ट्रिय परिचयपत्र वा राष्ट्रिय परिचयपत्र नम्बर बाहेकका अन्य आवश्यक कागजात लिएर समेत खाता खोल्न सक्नेछन् । यसरी खोलिने खाताका सम्बन्धमा निज खातावाला नेपाल फर्किएको ३५ दिनभित्र सम्बन्धित इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाले राष्ट्रिय परिचयपत्रको विवरण लिई अद्यावधिक गर्नुपर्नेछ । साथै आफ्नो हेरचाह आफै गर्न नसक्ने, असक्त, असहाय नागरिकले राष्ट्रिय परिचयपत्र वा राष्ट्रिय परिचयपत्र नम्बर बाहेकका अन्य आवश्यक कागजात संलग्न गरेर समेत बैंक खाता खोल्न र कारोबार गर्न सक्नेछन् ।</p> | <p>(आ) इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाले २०८३ असोजमसान्त भित्र मोबाईल एप्लिकेशन वा अन्य उपयुक्त माध्यमबाट खातावालाको राष्ट्रिय परिचयपत्रको विवरण भए/नभएको स्वघोषणा लिनुपर्नेछ ।</p> <p>(इ) राष्ट्रिय परिचयपत्र लिएका नेपाली नागरिकको हकमा २०८३ असोजमसान्त भित्र मोबाईल एप्लिकेशन वा अन्य उपयुक्त माध्यमबाट सम्बन्धित खातावालाको राष्ट्रिय परिचयपत्र वा राष्ट्रिय परिचयपत्र नम्बर लिई अद्यावधिक गर्नुपर्नेछ ।</p> <p>(ई) राष्ट्रिय परिचयपत्र लिई नसकेका नेपाली नागरिकको हकमा राष्ट्रिय परिचयपत्र लिई ग्राहक पहिचान अद्यावधिक गर्न सम्बन्धित खातावालालाई मोबाईल एप्लिकेशन वा अन्य उपयुक्त माध्यमबाट प्रत्येक ६ महिनामा जानकारी दिने व्यवस्था मिलाउनुपर्नेछ ।</p> <p>(उ) विदेशमा बसोबास गरिरहेका नेपाली नागरिकले विदेशमै वसी अनलाइनमार्फत् इजाजतपत्रप्राप्त संस्थामा खाता खोल्नु पर्दा राष्ट्रिय परिचयपत्र वा राष्ट्रिय परिचयपत्र नम्बर बाहेकका अन्य आवश्यक कागजात लिएर समेत खाता खोल्न सक्नेछन् । यसरी खोलिने खाताका सम्बन्धमा निज खातावाला नेपाल फर्किएको ३५</p> |



यस बैंकबाट इजाजतपत्रप्राप्त “क”, “ख”, “ग” वर्गका बैंक तथा वित्तीय संस्थाहरुलाई जारी गरिएको एकीकृत निर्देशन,  
२०८२ मा संशोधन/परिमार्जन/थप सम्बन्धमा ।



| क्र.सं. | व्यवस्था नं. | विद्यमान व्यवस्था | संशोधित व्यवस्था                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               |
|---------|--------------|-------------------|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
|         |              |                   | <p>दिनभित्र सम्बन्धित इजाजतपत्रप्राप्त संस्थाले राष्ट्रिय परिचयपत्रको विवरण लिई अद्यावधिक गर्नुपर्नेछ ।</p> <p>(न्र) आफ्नो हेरचाह आफै गर्न नसक्ने, असक्त, असहाय नागरिक तथा १६ वर्ष भन्दा कम उमेरका बालबालिकाको हकमा राष्ट्रिय परिचयपत्र वा राष्ट्रिय परिचयपत्र नम्बर बाहेकका अन्य आवश्यक कागजात संलग्न गरेर समेत बैंक खाता खोल्न र कारोबार गर्न सक्नेछन् ।</p> |